Prep - Cycle 1, Hindi Rhymes

गर्मी आई

गर्मी आई
लाने आम
घर से निकले
बुद्धूराम

नहीं लिया हाथों में छाता
गर्म हो गया उनका माथा

दौड़े दौड़े घर को आए
पानी डाला खूब नहाए

फिर वो बोले
हे भगवान
कैसे लाऊं
अब मैं आम?

माँ

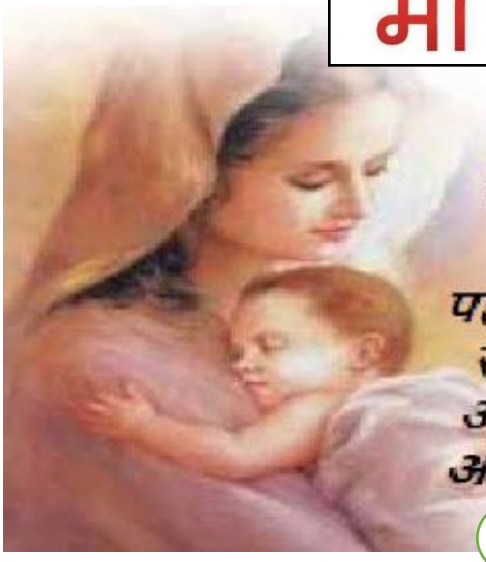

मुझे प्यारी मेरी माँ,
दुनिया से है न्यारी माँ।
प्यार से सुबह जगाती है,
मीठा दूध पिलाती है।
पहना के मुझे सुन्दर कपड़े,
स्कूल छोड़ के आती है।
अच्छे अच्छे खाने बनाती,
अपने हाथ से मुझे खिलाती।

लाल टमाटर

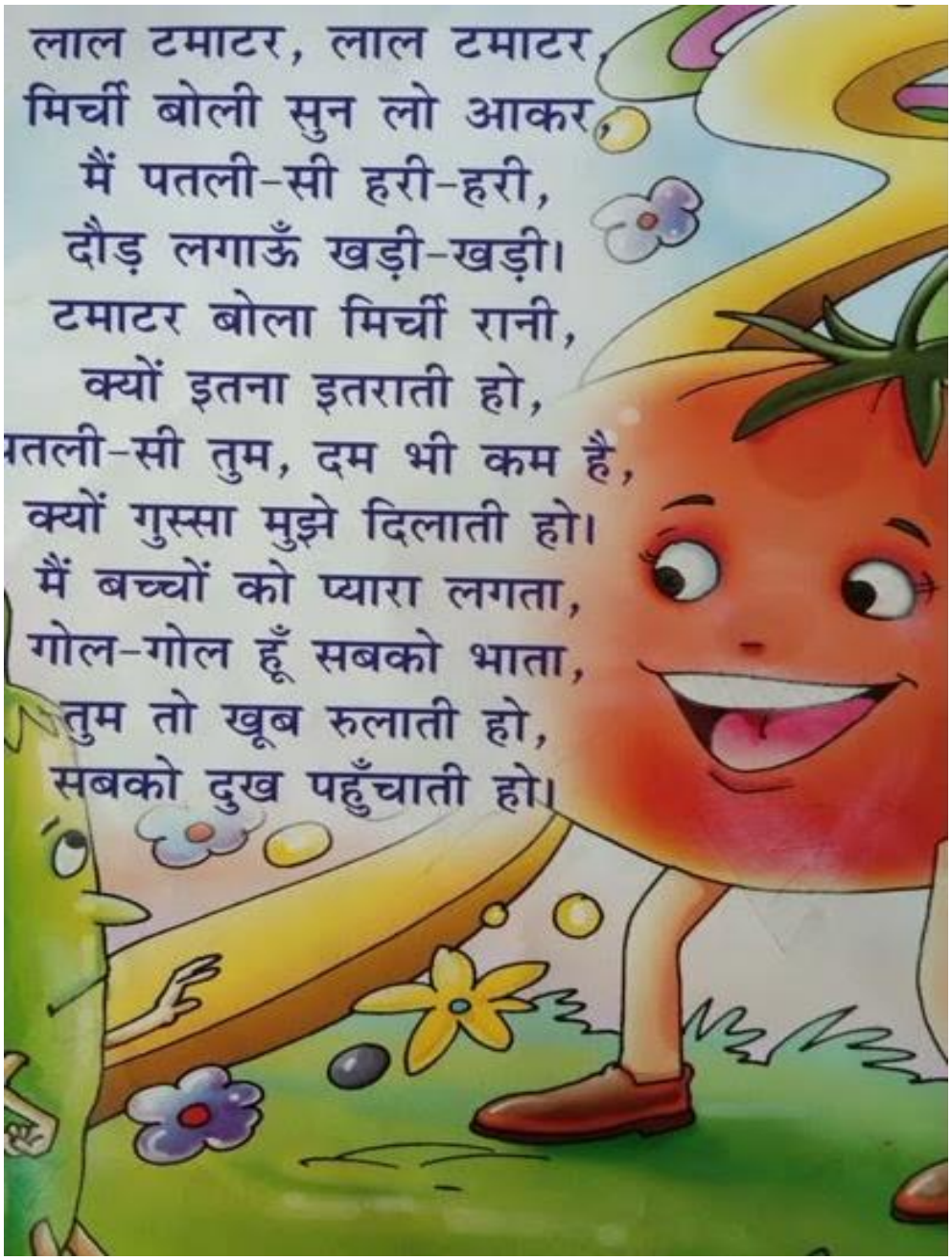
लाल टमाटर, लाल टमाटर,
मिर्ची बोली सुन लो आकर,
मैं पतली-सी हरी-हरी,
दौड़ लगाऊँ खड़ी-खड़ी।
टमाटर बोला मिर्ची रानी,
क्यों इतना इतराती हो,
पतली-सी तुम, दम भी कम है,
क्यों गुस्सा मुझे दिलाती हो।
मैं बच्चों को प्यारा लगता,
गोल-गोल हूँ सबको भाता,
तुम तो खूब रुलाती हो,
सबको दुख पहुँचाती हो।

बच्चों की रेलगाड़ी

आओ बच्चो, खेलें खेल,
मिलकर आज बनाएँ रेल।
दो बच्चे इंजन बन जाएँ,
छुक-छुक करके रेल चलाएँ।
बाकी सब डिब्बे बन जाएँ।
पीछे-पीछे चलते जाएँ।
सीटी बजती चलती रेल,
देखो कैसा बढ़िया खेल।
यह देखो बच्चों की रेल,
खूब जमा है इनका खेल।